



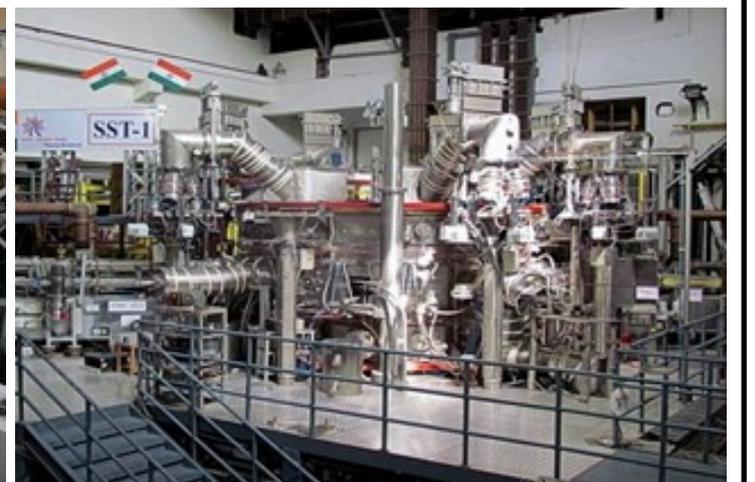
**तृप्तिका** इनस्टीट्यूट फर प्लाज्मा रिसार्च (आईपीआर) गुजरातेर गांधीनगरेर इन्दिरा ब्रिजेर निकटवर्ती सबरमती नदीर तीरे एकट्टि शक्तिपूर्ण ओ सबुज्जु विद्यायतन। एट्टि १९८७ साले विज्ञान ओ प्रयुक्ति विभागेर (डि.एस.टी) अधीने स्वायत्तशासित इनस्टीट्यूट हिसाबे प्लाज्मा विज्ञान एवंग संश्लिष्ट प्रयुक्ति विषये गवेषणा चालानेर आदेशेर साथे प्रतिष्ठित हयेल्लि। इनस्टीट्यूट द्रुत वृद्धि पेये १९९५ साले पारमाणविक शक्ति विभागेर (डि.एच) प्रशासनिक ह्दत्रछायय चले आसे। कयेक वृह्ठ धरे, आईपीआर तांत्रिक प्लाज्मा पदार्थविज्ञान, कम्प्यूटर मडेलिंग एवंग सिमुलेशन, सुपार कन्डाक्टिंग म्याग्नेटिस एवंग क्रायोजेनिकेर मतो उन्नत श्फेद्रे दक्षता अर्जुन करेछे। आल्ट्रा-हाई भ्याकुयाम प्रयुक्ति, उन्नत प्लाज्मा डायगनोस्टिक सिस्टेम, आर-एफ एवंग निड्रोल विम हिटिंग सिस्टेम, उच्च-भोल्टेज इन्जिनियरिंग सिस्टेम, पालस-पाओयार सिस्टेम, कम्प्यूटर भित्तिक डेटा अधिग्रहण एवंग नियन्त्रण व्यवस्था हाडाओ शिल्ल, परिवेशगत- प्लाज्मा व्यवहारेर श्फेद्रेओ दक्षता अर्जुन करेछे। वर्तमाने प्राय ८०० (चारश) विज्ञान-विशेषज्ञ एवंग प्रयुक्तिविददर एकट्टि बहू-शाखा-प्रशाखा दल एहि काजगुलि सम्मिलितभाबे सम्पादन करे।

**प्लाज्मा की?** एट्टि पदार्थेर चतुर्थ अवस्था, येमनट्टि पदार्थेर अन्यान्य अवस्था: कठिन, तरल एवंग ग्यास। यखन कोनओ ग्यास खुब उच्च तापमात्राय उतुप्त हय, तखन ग्यास-परमाणुर इलेक्ट्रन (वा इलेक्ट्रन गुलि) तादर प्यारेंट आयनिक बाँधन थेके आलादा हये यय एवंग प्लाज्मा नामक चार्जयुक्त कणार संकलन तैरि करे। आरओ परिकार भाबे बलले, प्लासमा हलो पदार्थेर चार्जयुक्त अवस्था येथाने धनात्क एवंग ऋणात्क कनागुलि निर्दिष्ट मात्राय वर्तमान; किन्तु कठिन, तरल एवंग ग्यास हलो पदार्थेर चार्ज निरपेक्ष अवस्था। चार्जयुक्त प्लाज्मा कणागुलि सभावतः वैद्युतिक एवंग चोषकीय श्फेद्रे द्वारा प्रभावित हय। चोषकीय श्फेद्रेगुलि द्वारा प्लाज्मा कणागुलि गति सीमित करे, चोषकीय-सीमावृद्धतर भित्तिते म्याग्नेटिक कनफाइनमेंट फिडशन धारणार जन्म नेय।

शक्ति वृद्धि →

कठिन                      तरल                      ग्यास                      प्लाज्मा

**निड्रियार फिडशन ?** दुट्टि हालका आयन फिडज्जु करार हले, उदाः डिडिटरियाम एवंग ट्रिटियामेर (हाइड्रोजेनेर आईसोटोपस) आयन, प्रचुर शक्ति निर्गत हते पारे या विद्युत उत्पादने व्यवहार करार येते पारे। उच्च आयनई धनात्क चार्जयुक्त हओयय, तादर विकर्षण काट्टिये उँते खुब उच्च शक्ति (तापमात्रा प्राय १५०० लक्ष डिग्री सेन्टिग्रेड) दरकार हय। तबे थार्मो-पारमाणविक फिडशन एर जन्य, यार मध्ये फिडज्जु संघर्षगुलि सभावनायुक्त, किछुटा कम तापमात्रार प्रयोजन। एखनओ सेहि तापमात्राय पदार्थट्टि प्लाज्मा अवस्थाय थाकबे एवंग तादर अनेक्षण धरण करार जन्य चोषकीय वोल्लेरमतो विशेष व्यवहार प्रयोजन, येमन टोकामाक - एट्टि राशियान शब्द यार प्रतिशब्द 'चोषकीय श्फेद्रे टरयडाल् चेश्वार'। आईपीआर-ते दुट्टि टोकामाक-ए गवेषणार करार सुयोग रयेछे: **आदित्य टोकामाक**: भारते आञ्चलिकभाबे निर्मित एट्टि प्रथम टोकामाक १९८९ साले प्लाज्मा अपारेशन शुरु करे एवंग एखनओ परीक्षागुलि नियमितभाबे चलानो हय। **स्टेडि स्टेट सुपारकन्डाक्टिंग टोकामाक-१ (एसएसटी -१)**: एट्टि विश्वेर कयेकट्टि अविचलित-अवस्था सम्पन्न टोकामाक गुलि मध्ये एकट्टि या क्रायोजेनिकभाबे ८.५ डिग्री केल्विन ताप मात्राय ठान्दा करार तरल हीलियाम द्वारा परिचालित निओवियाम-टैटानियाम मिश्रणेर तैरि विशाल सुपारकन्डाक्टिंग चुम्बकगुलि साहाये काज करे।



(बांमे) आदित्य टोकामाक (दांमे) स्टेडि स्टेट सुपारकन्डाक्टिंग टोकामाक-१ (एसएसटी -१)

## মৌলিক প্লাজমা ফিজিক্স

যেহেতু এই মহাবিশ্বে বিদ্যমান প্রত্যাশিত ৯৯% বা তারও বেশি উপাদান প্লাজমা অবস্থায় রয়েছে তাই প্লাজমা অবস্থার মৌলিক বৈশিষ্ট্যগুলি নিয়ে অধ্যয়ন কেবল খুব উত্তেজনাপূর্ণ নয়, এটি খুবই প্রয়োজনীয়। এই ইনস্টিটিউটে কয়েকটি আকর্ষণীয় পরীক্ষামূলক ব্যবস্থা রয়েছে: বৃহত-আয়তন প্লাজমা ডিভাইস (এলভিপিডি), টোরয়ডাল অ্যাসেমব্লিতে বেসিক এক্সপেরিমেন্টস (বিটা), উচ্চ-শক্তি মাইক্রোওয়েভ প্লাজমা ইন্টারঅ্যাকশন, চৌম্বকীয় বিম প্লাজমা ইন্টারঅ্যাকশন, উচ্চ-বিদ্যুত প্লাজমা টর্চ, প্লাজমা-ওয়েক-ফিল্ড এক্সিলারেশন পরীক্ষাগুলি, টোরয়ডাল ড্র্যাপে নন-নিউট্রাল প্লাজমা, ডাস্ট-প্লাজমা, মাল্ট-কাসপস প্লাজমা ইত্যাদি।



বেসিক প্লাজমা ফিজিক্সের কয়েকটি পরীক্ষা-নিরীক্ষা (বামে) অনিরপেক্ষ প্লাজমা, (মধ্যম) বৃহত-আয়তন প্লাজমা, (ডান) মাইক্রোওয়েভ ভিডুকের

## তত্ত্ব এবং অনুকরণ

দেশের অন্যতম সেরা কম্পিউটিং সুবিধা সহ, প্লাজমা অবস্থার বিভিন্ন পদার্থবিজ্ঞানের বিবর্তনগুলির প্রাসঙ্গিক তত্ত্বগুলির সাথে অনুকরণ এবং গণনা করা হয়। বর্তমান আকর্ষণীয় বিষয়গুলির মধ্যে রয়েছে ফিউশন রিঅ্যাক্টর অধ্যয়ন, টোকামাক পদার্থবিজ্ঞানে টিয়ারিং মোড, ব্লব ডায়নামিক্স, তরল এবং আণবিক সিমুলেশন, লেজার-প্লাজমা ইন্টারঅ্যাকশন অধ্যয়ন, পর্যায় স্থানান্তর অধ্যয়ন, গাইরো-গাইনেটিক সিমুলেশন, নন-লিনিয়ার অধ্যয়নের পাশাপাশি বিভিন্ন অস্থায়িত্ব অবস্থা ইত্যাদি। নীচে দেখানো হয়েছে।



## শিল্প প্লাজমা টেকনোলজিস (এফসিআইপিটি) সুবিধার্থে কেন্দ্র

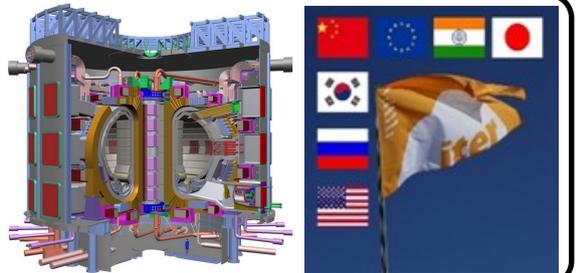
পরিবেশ-বান্ধব প্লাজমা ভিত্তিক প্রক্রিয়া ব্যবহার করে পদার্থের বিভিন্ন তলসমূহের পরিবর্তন থেকে শুরু করে বর্জ্য-পদার্থের অপসারণে প্লাজমা-প্রযুক্তিগুলির ব্যবহারের সামাজিক সুবিধা প্রচুর। শিল্পকৌশল প্লাজমা-প্রযুক্তির সুবিধাকেন্দ্র (এফসিআইপিটি, জিআইডিসি, গান্ধীনগরে অবস্থিত) এই প্রযুক্তিগুলি বিকাশ করে, বিভিন্ন স্থানে তাদের স্থাপন করে, এবং ইনকিউবেশন, প্রদর্শন ও বিতরণ পর্যায়ের মাধ্যমে উদ্যোক্তাদের সাথে ঘনিষ্ঠভাবে যোগাযোগ করে।



(বামে) প্লাসমা নাইট্রাইডিং, (মধ্যম) প্লাসমা পপাইরোলিসিস, (ডান) প্লাসমা টর্চ

## আইটিআর - ভারত

ইন্টারন্যাশনাল থার্মোনোক্লিয়ার এক্সপেরিমেন্টাল রিঅ্যাক্টর (আইটিইআর) ফ্রান্সে নির্মিত একটি আন্তর্জাতিক প্রকল্প এবং ফিউশন শক্তি থেকে ভবিষ্যতে বিদ্যুতের উৎপাদনের দিকে এক বড় পদক্ষেপ। এই বহুজাতিক প্রচেষ্টাতে ভারত এক অন্যতম অংশীদার দেশ (সাতটি দেশের মধ্যে)। আইটিইআর নির্মাণে ব্যয়ের প্রায় 10% অবদান রাখবে ভারত (অর্থের বিপরীতে পণ্য বা পরিষেবা প্রদানের মাধ্যমে)। আইটিইআর-ইন্ডিয়া (জিআইডিসি, গান্ধী-নগরে অবস্থিত) হল ভারতীয় ঘরোয়া সংস্থা, এটি ভারতীয় অবদানকে আইটিইআর-এর আদেশ অনুসারে দায়বদ্ধ করার দায়িত্ব নিয়ে গঠিত হয়েছিল।



## ফিউশন প্রযুক্তি

আইটিইআর-এ অংশগ্রহণের মাধ্যমে আন্তর্জাতিকভাবে নিজেকে প্রকাশ করার সাথে, আইপিআর ফিউশন রিঅ্যাক্টরের জন্য প্রয়োজনীয় সমস্ত শিল্পের প্রযুক্তি বোধগম্য করার জন্য এবং দেশীয়করণের জন্যও কাজ করছে। ইনস্টিটিউটে সুপার কন্ডাক্টিং চুম্বক, ট্রিটিয়াম প্রজননের জন্য কন্সল-মডিউল, নিরপেক্ষ-বিম প্রযুক্তি, ক্রায়োজেনিক্স, ক্রায়ো-পাম্পস, ডাইভার্টার এবং অন্যান্য ফার্স্ট-ওয়েভ প্রযুক্তি, রিমোট হ্যান্ডলিং ইত্যাদির মতো সমস্ত বড় প্রযুক্তির উন্নয়নমূলক কাজ শুরু করা হয়েছে। পারমাণবিক শক্তি বিভাগের বিভিন্ন তহবিল সংস্থার মাধ্যমে আরও বেশি ভারতীয় প্রতিষ্ঠান ও শিল্পকে ফিউশন প্রযুক্তির আওতায় আনার চেষ্টাও চলছে।